वंशानुगत स्वभावों से निपटना सीखो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

वंशानुगत स्वभावों से निपटना आवश्यक है

कुछ आदतें या व्यवहार ऐसे होते हैं जो माता-पिता या दादा-दादी से बच्चों या पोतों में चले आते हैं। जिस प्रकार चेहरे के लक्षण, शारीरिक बनावट, रंग, कद-काठी और रूप-रंग माता-पिता से संतानों में आ सकते हैं और बच्चे अपने माता, पिता या दादी-नानी जैसे दिखते हैं, वैसे ही भीतर के स्वभाव और व्यवहार भी वंशानुगत रूप से आ सकते हैं।

इसका अर्थ यह है कि यदि माता-पिता में कोई बुरी आदत थी, जैसे शराब पीना, तो यदि उस आदत से समय रहते निपटा न गया तो बच्चे में भी वैसा ही स्वभाव उत्पन्न हो सकता है। यदि किसी की माँ व्यभिचारिणी थी, तो संभावना है कि बेटी भी वही मार्ग अपना सकती है।

यहेजकेल 16:44
“जैसी माता, वैसी बेटी।”

यदि पिता क्रोधी था या हत्या जैसा स्वभाव रखता था, तो बेटे में

वंशानुगत स्वभावों से निपटना सीखो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

भी वैसा स्वभाव आना आसान होता है। यदि दादा या पिता चोर या दुष्ट स्वभाव का था, तो यह बहुत संभव है कि संतान में भी वही बुराई आ जाए।

इसी कारण यह बहुत आवश्यक है कि हम अपने भीतर छिपी वंशानुगत बुराइयों से समय रहते निपटें।
यदि तुम्हें लगता है कि तुम्हारे भीतर कोई ऐसा स्वभाव या आदत है, जो तुम्हारे माता-पिता या पूर्वजों में भी थी, तो इसे हल्के में न लो, बल्कि जल्दी ही इसका समाधान ढूंढो।

वंशानुगत बुरी आदतों से छुटकारा पाने के उपाय:

1. यीशु के लहू के नए करार में प्रवेश लो

सिर्फ यीशु मसीह का लहू ही ऐसा सामर्थी है जो हर पीढ़ी के श्राप और बुरे वंशानुगत स्वभावों को तोड़ सकता है और मिटा सकता है। आप पूछेंगे — कैसे? पवित्रशास्त्र देखिए:

1 पतरस 1:18-19
“क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हारा उद्धार नाशमान वस्तुओं से, अर्थात चाँदी या सोने से नहीं हुआ, जिससे तुम अपने पूर्वजों के व्यर्थ चाल-चलन से छुटकारा पाओ;
परन्तु निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने, अर्थात मसीह के अनमोल लहू

वंशानुगत स्वभावों से निपटना सीखो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

से हुआ है।”

ध्यान दीजिए, यहाँ लिखा है: “अपने पूर्वजों के व्यर्थ चाल-चलन से छुटकारा पाओ।”
इसका अर्थ यह हुआ कि कुछ चाल-चलन हमारे पुरखों से आया है, हमारा अपना नहीं था!
तो उसे मिटानेवाली सामर्थ्य किसमें है? केवल और केवल यीशु के लहू में। (पद 19)

अब प्रश्न उठता है — यीशु के लहू से शुद्ध कैसे होते हैं? इसका उत्तर सरल है:

1. सच्ची मन फिराव (पछतावा, पापों से मुड़ना) — जिसका अर्थ है उन वंशानुगत बुरी बातों को त्यागना।

2. सही रीति से पानी में डुबकी द्वारा प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा लेना।

3. पवित्र आत्मा प्राप्त करना।

वंशानुगत स्वभावों से निपटना सीखो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

(जैसा कि प्रेरितों के काम 2:38 में लिखा है।)

इन तीन बातों के बाद प्रभु यीशु का लहू, जो आज भी आत्मिक रूप से कलवरी के क्रूस पर बह रहा है, तुम्हें पूरी रीति से शुद्ध करेगा। वह ऐसी जड़ों तक पहुँचेगा जिन्हें तुम्हारी आँखें नहीं देख सकतीं।
तब तुम्हारे भीतर से हर प्रकार के बुरे वंशानुगत स्वभाव, जैसे: क्रोध, कटुता, घृणा, व्यभिचार, दुष्टता, झगड़ा, चोरी, नशाखोरी, लालच, स्वार्थ आदि — नष्ट हो जाएंगे।

2. पवित्रता में दृढ़ बने रहो

जब एक बार तुम्हें यीशु के लहू से पवित्र किया गया हो — पश्चाताप, बपतिस्मा और पवित्र आत्मा के द्वारा (प्रेरितों 2:38 के अनुसार) — तो यह मत सोचो कि अब कुछ करने की आवश्यकता नहीं। उस पवित्र करार में दृढ़ बने रहना आवश्यक है। लगातार प्रार्थना करते रहो, हर उस बात से दूर रहो जो पाप को उकसाती है, और प्रभु की सेवा में लग जाओ।

यदि कोई मन फिराव और बपतिस्मा ले तो भी फिर झाड़-फूँक, टोना- टोटका, वंशपरंपरा के कर्मकांड या पाप में फंसा रहे — तो वंशानुगत बुराईयां कभी नहीं छूटेंगी, बल्कि और गहराई से जड़ें

वंशानुगत स्वभावों से निपटना सीखो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

जमा लेंगी।

पर यदि तुम पवित्रशास्त्र में लिखी बातों को पूरे दिल से मानकर चलोगे, तो निश्चय जानो कि तुम्हारे भीतर कोई भी वंशानुगत पाप नहीं टिकेगा।
तुम हमेशा शुद्ध रहोगे और अपने आनेवाले पीढ़ियों के लिए भी आशीष का कारण बनोगे।
तुम्हारे बच्चे तुम्हारी वजह से शैतानी स्वभाव नहीं, बल्कि परमेश्वर का स्वभाव पाएंगे।
क्योंकि वंशानुगत स्वभाव न केवल श्राप लाते हैं, वे आशीष भी ला सकते हैं — यह इस पर निर्भर करता है कि हम क्या बीज बोते हैं।

मरणाथा — प्रभु आ रहा है!

कृपया इस संदेश को औरों के साथ भी बाँटें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

वंशानुगत स्वभावों से निपटना सीखो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

GROUP….

Share on:
WhatsApp